भूटान–चीन के बीच सीमा विवाद समझौता

मो0 रेयाजुद्दीन

भूटान और चीन पड़ोसी देश हैं। भूटान की सीमा चीन से 1,075 किलोमीटर सटा है तथा शेष भारत के साथ भूटान के चीन के साथ सम्बन्धों में भारत भूटान सम्बन्धों को सदैव व्यापक रूप से प्रभावित किया है। भूटान के संदर्भ में चीन की नीति विभिन्न अवसरों पर परिवर्तित होती रही है। कभी चीन ने भूटान की तीव्र निन्दा की तो कभी इसकी ओर मित्रतापूर्ण संकेत किए। चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने विभिन्न अवसरों पर शाही सरकार को यह विश्वास दिलाया कि भूटान के विरूद्व चीन के कोई आक्रामक इरादे नहीं थे और वह समस्त उपस्थित विवादों को प्रत्यक्ष वार्ताओं के माध्यम से हल करने का इच्छुक है। लेकिन इसमें प्रक्रिया सम्बन्धी समस्या उस समय उत्पन्न हुई जब 1949 ई0 की संधि के द्वारा भूटान ने विदेशी सम्बन्धों के मामलों में भारतीय निर्देशन स्वीकार करने के प्रति सहमति व्यक्त की थी। किन्तु भूटान ने इस संधि को स्वीकार इस रूप में किया कि इससे भूटान पर नई दिल्ली से विदेशी मामलों में सलाह लेने का दायित्व तो आवश्यक रूप से उत्पन्न होता था, किन्तु प्राप्त सलाह को स्वीकारना, भूटान के लिए आवश्यक नहीं था। अपितु ऐसी सलाह पर भूटान स्वतंत्र रूप से निर्णय करने में सक्षम है।